युप'न्न'मिन'में।पड्ठाल'डुन'स्नि'प्येन'स्त्र'मेंन' युप'न्न'मिन'में।पड्ठाल'डुन'स्निन'स्त्र'सेन'मेंन'

भ्यापक्रियात्र्यम् । (विन्दूर्यक्रियक्रिने विन्दूर्यक्रम् ८५००००)

শঙ্গদ্ধ নুধন্ ইয়ান্ত্ৰিন ক্ৰমিন ক্ৰমিন ক্ৰমেন ক্ৰ

イニ・ゼーガ・費や・イニ・サタナ・美科

क्रुट्र-ट्र्व्यंतियो क्रिट्र-द्र्यंतिय होत्या प्रमाणक्ष्या था क्रुट्र-ट्र्व्यंतियो क्रिट्र-प्रिया प्रमाणक्ष्या था क्रिट्र-प्र्यंत्र क्रिट्र-प्रमाणक्ष्या था क्रिट्र-प्रमाणक्ष्या क्रिट-प्रमाणक्ष्या क्रिट्र-प्रमाणक्ष्या क्रिट्र-प्रमाणक्ष्या क्रिट-प्रमाणक्ष्या क्रिट-प्रमाणक्या क्रिट-प्रमाणक्ष्या क्रिट-प्रमाणक्ष्या क्रिट-प्रमाणक्ष्या क्रिट-प्रमाणक्या क्रिट-प्रमाणक्ष्या क्रिट-प्रमाणक्या क्रिट-प्रमाणक्ष्

त्र) (श्रेट. ट्यर. उर. उर. े क्यायल्टी गु. श्रेट. व्यर. तर्य त्र श्रेषाय होता श्रेट. र्यट. (श्रुय त्र) (श्रेषा

[्]री स्प्रिक्षाक्र्यरेवा ा अचाराक्र्यरक्रम् या प्रदेशका स्थानप्रहेष्ट्रमञ्जा प्रदेशक्रम् स्वानिविद्धानिक्ष्यक्रम् विराधिक्षाक्ष्यक्रम्

हेममस्बर्धान्य प्राप्त विश्व हिंदा हिंद महिंद महिंद मिन्न हिंद मि

त्यः क्रियानः संविष्धित्यः स्टान्ते स्टान्ते स्टान्ते स्टान्यः स्टान्ते स्टान्ते स्टान्ते स्टान्ते स्टान्ते स्टान्त

दे.केपु. बर्ट्रेट. पहूँ बाबुर धरः क्रुं अस्त्र स्प्रेत् दी इस त.मूथर्थं अन्ययालयाष्ट्रायिस्य स्ट्रा ह्रीक्ष्यायालयाष्ट्र. पियंत्र त्य हो मुनाम पर प्रमान पियंत्र महित मुने मुन्न महाम क्र्याशृङ्घीळ्यायाग्री लेख भ्रूम होम त्यम् म न्मान्य न्मान्य नि पावेत्र शुगायाकेत् प्यून रहेट | र्नेत्र स्थित प्रशापका र्रे विवा वी स्थ्य र क्रिन्य प्रक्रिय विद्यार प्रमुख स लुच. रा. रेट. क्ष्म शुच. ग्री. रुवाबा शांचय. रेवा रेट. क्रूंबा ब्रियाबा श्र व्यायम्बर्याचित्रः विष्याचित्राचित्राचित्राचित्रः हेन्द्रेन्त्रेन् "मुन्द्रियान्य न्यं न्यं न्यं स्ट्रान्य स्ट्रा विगामीयन् रूट ग्रवट द्वाय भीवा "द्यंत्र रा द्वाट क्वे द्र द्वा गुर्टे क्ये इंप्ट्रिंव येर पें स्वायस्त्र अवस्त्र विश्व वर्षे लेबायाग्री.पर्रीकार्म अञ्चायाग्रीयर.क्ष्र-रट्यावय्यर्रीवाया गर्नेट.र्नट.शुक्रेर.त.र्ट.अयूर्गे.र्ग्ने.र्गु.र्गु.प्टिंगे कुयरी.लाक्ट गुजम्मित्रात्त्रेर मुजर्श्वेट पर्दे ट्रम्बुब्य पट पहेट् के केट्र " 🛈 क्यरा बरावी ब्रावास में में के प्रमुव ब्रावास में किया है। गविर क्रिन ट्रन तरे के विमाधित था नियर क वेन क्रिन वय क्षेर-दूव क्षेरा क्षेर् देव रवाय व वि रट द्या क्षर वर पर मिक्यमित्र रट. मूच के क्या अम् लट उटा मेल हे मिर्च रटर्स्व तराव विया श्रुपा अष्व वया देश क्षेत्र पन्द हेट्य व यर्पा में नार शिक्षाध्य के किया अंदर कर अंदर अंदर नि রুদ্"[®] প্রথমেন্যবাদ্যার্শ্নসর্মান্ত্র

त्रियाने, र्याप्तः कीयां यार अस्टा ट.क्ट्रुं. अयोर विस् लूट स्ट.स्ट.लू चंट्रे अट सं यापुः रीयाच्या याचेट लास्तुः ज्या सूचीया यार ता क्रिस् कीय के कूचीया राषुः पक्क् यापुः खेळाया क्रिट.लूच ता खुः रा.कैस् क्र्रुं इ.ट. रूच. वीय. क्रि. वीयाः क्रि. वीयः क्रिया क्रिट. विस् या क्रिट. यार. ता क्रिस् चेया पक्क् यापुः खेळाया क्रिट. वीया क्रिया क्रि

अक्ट.२.१८ वर्षे दे.क्ट्रायून्यर्गियर्ह्साग्री मुन्यर्ट्य पर्वेद्यर्थे सहेल कु ह्वा या स्वाय पर के परे र वो यर.श्रीर् श्रेत्रस्यास्त्री स्राह्माचीन्स्यास्यास्यास्यस् ब्रैट पति द्वार केट हे शुर्का पट केट पति ग्रायम पहे छ र्षम् स्वाप्ट मे गुरेवा स्याग्नी न्यार स्वाप्ट स्वाया स्न स्याग्रीयाग्रीयायादे द्वार्यान्यायायात् व्यादे द्वापायादे स्व त्तर्रा पति गानुवा कुन् दे हेवा हा नेवा केन् क्रेंन कोन हर होन हर है श्चर मिन्यावर मे श्रे श्वर तर तहर् अध्य अर पति मिनर स्थ त्री क्रुंक्र शुरुष प्राप्त दिया व्यास्त्र विषय होता अपूर्व स्वासी विषय होता स्वासी विषय होता होता होता है। "क्रि.मेमनेसर्भाषात्रात्रात्राम्।क्रि.नेसर्भाषात्रात्रात्राह्य ख्रित्योध्याञ्च स्वाय स्वाय प्राप्ता नित्र क्षेत्र स्वा श्रीत्य या देवयर्भ्राम्य देशसरार त्वीययस दर्। मुलाक्य भ्रेवर वी पक्षायकूराश्राट. र्. प्रधीवायाना जया किया रेट. जय विश्व र्था ह्म-त्र्याय गुर्याद्र त्या तस्य त्या । तस्य वार राष्ट्र न्या होत् । क्ट्रायट्र अव दर ही क्ट्रायाय द्या तशुर ही पाय स्वर्त सेन्द्र सार र्वे विवाहें ने प्राप्त का का का के निष्ण कि की विदेश हेव'न्ट अर्केर'सूपिः'न्वट क्रिंहे क्रें न्ट प्रकार मुविग्राणीं है यहेशरा श्रुवर्द्रन्गुवर्द्वयः हेर्गुन्र्रूरः चवरः गर्देवः क्षेत्रक्षे गुलर्ड्स्याग्चेया मुन्दिन्य प्रमास्त्रित्य क्षार्यस्ति देन्दिन गुःइस्यन्यानाबर्यः प्रतेः वारः द्रेषाय गुः वाद्यः इस्य व्यव क्रुत्रः से *ख्या दुर-वे:च:क्षेर-रेग मुर्कें, वुर्य वुर-वुर-विर-वि:गी:गर्द्या मु* ग्रीपायाधित स्त्रीतिया क्षेत्रास्य भीताया सम्मित्ती स्त्री

क्रुप्त में व्यायुम् त्य न्याया विषयित न्यायुम्य स्थाय स्था

न्ता र्क्ष्यक्षेत्रन्तः न्तर्तेत्रः याधेत्रः पतिः नेवाष्य अद्यतः न्वा जन्द्रिट.नीरेट.यंग्यचन्त्रक्र्य.इ.टी.टेब्र्यनपुरं सैनयानियत्त्री टु.लट. (बक्रि. बिट्ट) रेटो (ल ट. यपु. भी सुट्य) 《तर्श्वतायो》 《र्या.चजुन.ग्रे.मे.मुस्युं सर्झ्र्य्योट.र्टर. यर.रेश्रयर.प्रियो.ग्री.येश्वरेश्वयोश्व ह्यर.पर्ट्य.ग्रीश्वर्द्ध.श्रह्स. 5 विया गेर्देव दर्देव द्या स्व केंग्राय मेगा गे क्षेत्र सुव ज्ञ दर स्य के यटा सिम टे सिम ह्रीय की जया जा हु सु श्रेका तर पटिया ता. वु.घ्टायर्झेवाकुपर.खुवालुच.त.र्ययंभेगनीयसूरी रेतुर.यी 《मञ्जू मञ्जू मञ्जू द्रायक्षे प्रमाप्त द्वेत द्रार सुर्वित हुन हुन त्य है श्रुश्रमानर विभाविषास्तर स्टर विगरित स्यास्तर दि विगवि ट्रेंबर्ग वाक्रुं वाक्रुं वाक्रिं वाक्रिंग स्तर्म वाक्रिंग वाक्रिंग वाक्रिंग वाक्रिंग वाक्रिंग वाक्रिंग वाक्रिंग ब्रेन्गुवाक्यातन्त्रपद्याचित्रपत्यात्रहण्याच्यात्राच्या स्रम्पर्या (र्या.चेज्यम) र.स.स्रम्या.चरी.स्रम् तपुरचक्किर्द्रशास्त्री दर्ग दे.लट. ह्र्बाय अध्यः स्र्रेत्य स् प्रम् ग्रीम्बून रेया वेग प्रमाये रिया में निया में निया में भुक्ते ने वा वे द्वारी के प्राप्त के का के का का का का का का के कि के कि के कि का क वी.य. व्यय क्रीयो धुयो कुर्य ता जया कू पूर्य तूपुर एड्स वट वट व तार आतुम् राष्ट्र विवारक्षीयविकार्ष्ट्रव निवार्ग्त

ट्मूब्रा ट्रायम. ह्य. ग्री मूक्षय विश्व प्रचट. त्. श्रुवी ट्राय्य रा. झूक्र श्र

<u>ब्रीतस्य शर्केत्त्रोतः तत्वतः त्येवतः यवुगक्षस्येः च्र</u>ीतेः क्रि.त.शक्य.र्यायर. मुक्राय.र्ट.शक्य.यक्र्य पे पर्राय.क्रि ब्रिंगटच ग्रीवृक्षिल विवास्ति दूर क्रिंगटच ग्री पर्टे चेका विट. उट विगानट प्रहोश्य कार्यान्य प्रापट मिन्द्री निक्षा ने स्थित ब्रूट्(श्चर)रटा (निग्रूष) (र.ज्र)सेर्यारट.रुप्ट. स्य अर् ग्रेपर् नेयड्रेट रार्ट् यूगट्य प्र वर्गमार दि सून विषय्ति रेतरःवी (श्रेय) क्षेत्ररः अस्त्रे व इस्प्रधः यस वेत्र हेरी: रट: पवित् ग्रे हेंग ह्मा स्पर्ण पानेत् त्रा देट: यँद ह्ये क्र्यायग्रीत्वकाञ्चर्यावरमञ्जूट्यान्त्रियान्टर देवावान्त्रयावरमञ्जूटर मिनेश की महिंदा हीया में अद रहेश नहें य अस्ति यह या नि क्ष्मायर-रुक्षेत्रमार्द्धेन्यमहत्त्रपद्धिन-प्र-ज्ञानमानुषामु पर्देश क्षेत्र क्री क्षं क्षेत्र पड़े रुट दे तर्दे द देव पत्नेत्र क्ष्ट्रं तक्ष्य रक्ष वैट. चर, ही क्र्वाय ग्रे हैं भेर ट्र्य इट वक्ट ग्रेय टिय रतयावस्तर्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्यात्र्यात्रात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्रात्र्यात्रा अर्थ. रे. ज्याय टव. कु. डैकाय झूबा बाट्टर. यय ४ ट. रेटाट. **ड्**रेट. ल्बे में निर्मा हैन अंग्रेन्य स्थान ड्रॅर-श्वर-त्रीय-त्रभवना दे-क्षेत्र-प्रका क्र्रेर-ग्री क्रुं क्रेत-दूर्य वु.पर्. भेषाक्रेट. राष्ट्र. वर्षूच. भेषाब कुत. रट. देषु. रायब क्यांब चतःत्रयद्येयतः व स्वःश्चर्म्ययः विदः संलटः सुन्ते लेव तपुर्ति क्षेत्र स्व क्षेत्र ग्री वर्षे क्षेत्र मा दूर क्षेत्र क्षेत्र श्री ज्यावा त्व नवा की वा न्यावा परि निने क्रीन क्रेन पर निर्म निर्म वेश क्रूंच हेर वर्देव क्रैंश परे क्रूंट के के राज्य रहे हैं ज्यम्बेर-र्वायनार् र्वार्यस्य संगवत्रं विद्यार्य

द्रवाकानुवा ग्रीट. कुन. वी क्रम झेंच. पवाय. खेवा वांका देट हैंच. क्रम कुम. पर्ट. क्रेट. क्षमक कट. चूंका वांकूट. कूट. रा. के टीयु. कु द्रवाका वु. कूका का टेट. कुमका कु टायु. कु द्रवाका नुवा कुमे खुटा कक्षा वांकूट. टायु. क्रिंग का क्षेच. पत्नुच. वेच. त्रा निवाकूटी कूट कु पक्ष्य वां क्षमक ग्रीमकूका का विवाक में त्रा कुमें कुटा पक्ष्य वां कुम क्षम ग्रीमकूका का विवाक स्वाव टिंग्न वाट. कुमें का पक्ष्य वां कुम कुमें कि कि वां कुमें कुमें कुमें कि यट.क्ट्राय ग्रीक्य रट ग्री नक्य न. ट्रे. नुट. ह्यूट बरा वर्षी क्रूट. पश्चित् मुत्राम् अस्य द्यार प्रमाश्चित्र स्वाप्त मार्गे स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त क्यविगाधित केंनेट र्व श्रूपाशीयही केंगवाशी संगटन दे ही त्रम् त्रम् स्रम्यकेत् सर्वे म्यकेते महत् द्वालेषा व्यव्हेत ययमार मित्रस्था ह्रूर सर रें देग मेय ह्रूर स्थार रें र ध्यम् मनिषायहित् स्रोम् धर्म स्त्रीत तत्रीत तत्र में मुकार्ध्य हिर छ ल्याया वर्षेत्र स्र तं ते देते स्त में दिन स्ते ते स्व से देवा धेना र्धेन्ज्र् (Dक्षेयते:स्म्ग्रा) र र्चन्ध्यन् न्द्रंबस् सु श्रुटः पतेः मन्त्रम्भागम्बिमान्त्रम् विभारदेनमहेरममहिष्यमहंत ग्रीय है. फेर. पर्रेय तपु. पर्वेर. युत्रा रटो वर्वेर. युत्रा रे. ज पहेब वयक्य द्वेवाय ८८। श्रीत द्वेवाया अट क्वाय पठय ग्रीपर्वयक्ताक्ष स्वाय वायमायवा प्रति प्रवाय क्रिय विविध्य वे अर्थ के के के के कि का का कि का की की कि की क्षेत्राचर नर्द्वा मुक्रमुक्ते र्यं पर्चेत्र मित्र हेमा नेत्र द्वार त्युर ग्रीयकूर्य सुर्र वर्षः तृष्य ग्रीट मी. कुरु अट कूर्याय ग्री विस्व रटः पविभाग्नी यह निर्मा विभाग्नी विभाग्नी स्वापनी विभाग्नी है. क्षेत्र.श्रुव्य.व.जावर.रट. कुट. ग्रूचाव्य श्रुट्र क्रिय.ग्रीट. टी. जीव्य ट्रका त्रप्रम्य भ्रम्य विष्कृत्य पर्मिष्य स्टिन् स র্মন

द्रा, अपु. चू. पा थू. वाद्र्य. ट्रे. अथा क्षेत्रां थे , , , प्रचू. च. शुपु. चू. पा थू. पा थू. पा थू. पा थू. पा थू. पा थू. पा शुपु. वाद्र्य क्षेत्र. क्षेत्र. क्षेत्र. क्षेत्र. च्रि. पा चू. पा चू. पा थू. पा चू. पा च. पा चू. पा चू. पा

सि.कुर्य.सू.चे.ट. पूर्या पड्डा हुर्य. गीय. ग्रीय मिर्ट. ट्रंट. रू. जिय.कुर्य.सू.चे. प्रह्मा हुर्य. गीय. ग्रीय मिर्ट. ट्रंट. ट्रंट. क्षाय पड्डा में पट. क्ष्रिय जय या पट्य स्पृत मिर्ट. ट्रंट. क्षाय पड्डा में पट. क्ष्रिय जय या पट्य स्पृत मिर्ट. व्याय सहस्य में प्राय पट्टा में प्रम्. जीया क्ष्या पट्टा में प्रम्. जीया क्ष्या पट्टा में प्रम्. प्राय पट्टा में प्रम्. प्राय पट्टा में प्रम्. प्राय पट्टा में प्रम्. पट्टा में पटटा में

त्र स्मिनसूर्य स्मिन्य न्य स्मिन्न क्ष्यं स्मिन्न स्मिन्न स्प्रित्य क्ष्यं स्मिन्न स्प्रित्य क्ष्यं स्मिन्न स्प्रित्य क्ष्यं स्मिन्न स्मिन्य स्मिन्य

पद्यतायिंगां वैद्यान्त्रीय विद्या क्षेत्र क्ष

यक्ट्रेट्ट्रियाप्टीट ग्रीस् बैय क्षेत्रयाचाया ग्रीट्ट्रिय ट्ट्रिय वय ट्ट्रियापटीट ग्रीस् बैय क्षेत्रयाचाया ग्रीट्ट्रिय ट्ट्राचित्रय वय क्षेत्र ट्ट्रियापटीय चित्रय क्षेत्रयक्ट्रिय प्रवेत ट्रियाय वेट्रिय व्यापटीय ट्रियाचीट प्रवेट प्याप्य प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्याप्य प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्याप्य प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्याप्य प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्याप्य प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्याप्य प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्याप्य प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्याप्य प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्रवेट प्र

पश्चि-रंजूर्य रट. जूर्ट-शु सुवीया ग्री. वाष्ट्रिया केट या जा तायक्षा विश्वीया श्चिया स्व श्वयः श्राच्यः वाङ्ग्या थे ट्रय शु द्वीर्ट वंपटः ट्रेट. मु जूर्ट- श्री कूवीया पक्च्यं व श्चिटः सुटः ((श्वीया ता) कुत्यं प्रचेतः पूर्वः ताटः पूर्वः यदः ख्रीताल्यः ता. ट्रिटा श्वीया ता. वृ. श्चितः ता. ख्रीता कृष्टः ताष्टः पूर्वः ययः श्वावि श्वीयात्त्रं व विश्वरः विश्वरः यश्चितः ताष्टः प्रच्या व

《ब्रैंट. रेशर. उर. उर. उर. १ रे. रेश रंगय के शिराष्ट्र. प्र. रतयर्तत्रियुर्यस्त्रित्र्रात्र्यस्त्रित्र्यं क्रियात्री क्रियात्रियः वयवर्द्र श्चर विगर् श्चर्द्रयम्बेयवर्ष्ट्र क्या क्वे र्यः श्चरः च ह्येयस्त्रित्रान्त्र प्रस्थयः ह्यूर्त्रिः स्तुरा श्री ह्या वित्रा स्त्रीत्रा वि र्पालकारा वर्दीर धेन सार्या के नुस्र की की श्वा गर्स में तचर मुंबक्कित्रे विदा अववाय वर्षेट वीय वर्षेत्र रातः देवा र्स्य र्ट. प्रें चनट र्ष्युय विस्रम य स्मान परे से झे यम नगर. वगर्दा सन्दर्भ रद्भारने तन्त्रेर से रहेर भ्रान्यागुः इस्रायः हे प्रिन्यस्य स्मिन्यस्य स्मिन्यः व्याप्तः स्मिन्यः स्म वीर्यवायन्यस्योग्दा सुर स्व र्षे द्वर विचरल तपु.मी. मुबोबा जबा मुद्दे. तपु. जैबा झूबो बेबा ग्रीट. बाक्सूबे. सूदी तक्र्यतप्रावर्याट्यायक्रम् विद्यान्याया ववानेवार्यन य्रेन्यक्षेत्राचित्र वात्राजुन्यस्त्र स्वास्त्र व्यास्त्र विश्वास्य ब्रोस्ब ळे: पर्स्व पु. पार्सुवा या ब्रे पार्देव या ह्रें वा हर्य पु. वाहिंदा पा विवासराधिता देवाव ह्यूर रेट देवा वृष्य वहार है केंट प्रति रेंग र्क्यग्रीतश्चरात्रिः विषयद्वः श्वाद्यः द्यः प्रापः द्वाः स्परः अस्त्रियं दे.क्षेर.क्षर.र्रट. (अय. यं) दर् (श्रुपाय) 《ब्रूट-न्यर-तुर-तुर》 चठना सु चॅन् को रेगाना ग्री-वर्के गर्मना र्टा त्या द्वा वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष पूर्यमूबोबारा रू. विस. ब्रीका रिचे. विसा रिस. संबंधा वा विवाया चीता

क्रीट्यक्तानक्य जनक्या विविधान्ने स्व. वीचा क्रीट्यक्तानक्य जनक्या विविधान्ने स्व. वीचा क्रीट्यक्तानक्य जनक्या विविधान्ने स्व. वीचा क्रीट्यक्ता नक्या जनक्या विविधान्ने स्व. विविधान्य स्व. विविधान्य स्व. विविधान्य क्रीट्यक्ता व्याप्त प्रच्या क्रीट्या क्र

क्रें रेट र्देय ग्रीन ग्री नस्थाय झूट प्रथ के नर एथ से मर्थित. रेट. थ्रा.ला जावाया उद्घेट. की यी. वाधिया उद्घारा कुर्या ता आ चर् र्वायमः श्रुरावायर् श्राराक्ष्यः पश्चराग्री वर्षेणा परिः पक्क्यात्रियः व्याप्ता पर्ह्नायात्रियात्रः यात्रायात्रियायाः मधि.मार्द्ध, सू. यु. सूर्य. ही. क्रूबाया सूर्य रट. पंगू. टा. शुरु. वायया क्षेर्याच्या मुक्ति वार्या होता वार्ष्य स्वावस्त्रीत्व यामितः सूर रेट र्या लक्षेत्रं मेर्ड में प्रेंट गुर देते सूर पक्र्य पद्मित्यवेदम्मे द्या में स्वाय क्ये दिश्व सहेत् सर ह्यू में में में रेशक्राकार्द्रकार्यान्य विकास मार्थिक र विदेश में वंतरी तक्षाया हीर. रे. .. रेट. हूंचाशु झे झे कूचाया नुवाबंट. नक्षाच्चर्रार्चरानुमानुष्याद्वराष्ट्रियान्य क्षेत्रां तः इयम् ग्रीक्षेया द्वेत्र रागेत्यं त्या वर द्वेय शुर्गितः चनः मुद्याप्ता प्रात्र स्वर्षा स्वर्थ व्यवस्य भूट्य पर्म्थ्य थे. थ्रम. थ्रम्य ग्री. के प्रग्रीट. र्या वाना श्रेत् झैर.कूरी चरित्र रेच पडीय चूरी ही क्वीला पक्रमा रट.क्ट्रा ब्रियमिंटी येत.च विद्य थ्रमा बिटी श्रेटक्टी ग्रेटजुरी २०१३। ४८.८०० श्रेटल्या धेत्राया सूर. सूर्याया ग्री. टट. विट. ट्या. वासूच. धेत्राया रुंचरायु. झेट. नकेव.री.ताषुरावाचा रेक्ट्रावाडूट.ताषु.ड्रा.वाट.राज्ञीवाट. परियारी पर्वेषा के प्राचाना सा स्वाया जरूर निया छोता पर विष न्वॅर्न्य क्रिंन्वॅर्न क्रिंन्यन्वॅर्न इन्वॅर्न्छन्य शियक्र-रिपहिवाल वटाङ्ग्रवशिष्ट्यतालान्यनान्टर

हीर्म्यूर्य म्याकुर्य हीर्-यूर्य म्याक्ष्य तूर-ट्रे-क्रिय-स्य हीर-लूर-जा ग्रीट्यक्ष्य हीर-ग्रीचिर-क्र्य म्याल्य-तर-सूर-म्यान्स्य सीर-ग्रीचिर-क्र्य म्याल्य-तर-सूर-म्यान्स्य सीर-ग्रीचिर-क्र्य म्याल्य-तर-सूर-म्यान्स्य सीर-ग्रीचिर-क्र्य म्याल्य-तर-सूर-

टे क्रीय-टा क्षेत्र अक्ट्ये त्यर क्रिट ट्यूब्यूटी टाइट ट्रेंच कु पर्ट कुप्ता क्षेत्र च न्याट अप्ट्रच श्वेश ट्याट तृष्ट, तीम झे शू शूरु. ही क्रूपांच क्री विषय चता. ट्या पक्ष्यंच तृष्ट, विम् पंक्रिय ट्या विध्यक्षेट चेश्वय तीम ट्याट क्यांच क्यांच क्ष्यंच क्षिट क्रि. शु

मानेषाचा (राम)

योषद्वी.य.क्य.क्षट.स्ट. यू. त.लुय. .. क्ष तर. टू. य पहुंच. वुट. ग्री. यूट्ये, यूट्ये यूट्ये

सपु अक्ट्र्स-स्वाक्ष शेरह्स-क्ट्र्म अपु व्यक्ट्रिस-स्वाक्ट्रिस-प्रविक्ष विद्यक्र्म सपु अक्ट्रिस-स्वाक्ट्रिस-प्रविक्ष विद्यक्ष्य श्रिस्ट्रिस-प्रविक्ष श्रिस्ट्रिस-प्रविक्ष श्रिस्ट्रिस-प्रविक्ष श्रिस्ट्रिस-प्रविक्ष प्रविद्य प्रविक्ष प्रविद्य प्रविक्ष प्रविद्य प्रविद

क्रियाने स्वास्त्र अक्रुल प्रचीन स्वास्त्री विश्वमान्द्र अक्रुल प्रचीन स्वास्त्री क्रियान सवस्व में ट्रान्ट स्वास्त्र अस्त्र में क्रुल "टक्कु अटस्य प्रची स्वास्त्री रित्र में प्रची स्वास्त्र क्रुल क्षित्र में क्षित्र में क्षित में क्ष्र में स्वास्त्र स्वास्त्र में स्

प्रिंग की दीय ता कुंगी ता वी किंगी था है, वे या शहर.

य.होत्र-कु.प्रवात.क्ष्मालुवी वाधुव्या र.प्रतु.तवकाविषावाचेर केर्याचु.र्यूप्रसूच्

जावाक्रमक्रट्ट.क्रैयशट अट्ट. क्यं क्यांक्यी विक्या र.स.च्रेटर क्ट्रेट व्यक्त्ये हिन्द्र क्ये हिक्यांक

 ट्यति इस नेषा स्वाप्तर्क्षण ग्री कर्षेत्र नेषा हो। वर्षेत्र वर्ष स्,,धु,स्म्मैक्र्यी,र्भूविश्वकक्त्रयर्ट.रीयर्टाया,गुरविवाह्येट. र्नायम्भावन्तिः स्वार्यात्रितः स्वार्यात्रम् विष्यात्रम् थीट्रय तर. विशेष्ट्य त. र्टर | व्रूय क्रि. मेट. र्टर. वेश क्री क्रूट्यम्था के करे वया पर एर्ट्र र से हिया यर एका विस्रित्य "श्रुवहिवाय" भेषाग्रान् एम क्रिया द्रेया विषय वर्षे प्राप्ति वर्षे या वर्षे ल्या वर्षेत्राक्ट वेयद्ये गी. र. पूर्व रेट र यही क्वांवरहरे त्शुर् शुर्वित्तु "यम्प्राद्यार" वीष "व्रिः दूष्य" प्रतित्र हेत् हुत् मुन्भीम्पूर्यत्वतरा क्रिये,र्यायर् क्रेट.श्रयतर भुने ट्रेवे.र.फ्रु.डेर.क्शक्यक्यक्यात्रे तर्र.र.ज्यक्युं क्रियार्पर अर्जे अर्थित अर्थित अर्थित स्थान न्केविरावधूरानयराना ररावेरान्राचराधणहेरीरावस हेर्र धिन्यते न्द्र वर्ष मुद्देश्येष अनुवान कुन होन ही उम् अन्याय तर्ने में हर या दर राजका हुत्रः एक्रिनः हुवाया या वृक्षाया तपु.स.स्.इस्रम्भीया सट.वीयाव्याताक्य.र्याप्तराक्य. मुन्द्रमायः नातः महर्षक्ष्यं दे द्वा वला द्वादः वीका नाग्र्द मुना विषयर प्रथम प्राप्त यर्ग यूर स्थित क्षेत्र तत्रेत्र मुः भूर्वेग रट गेयर र त्य " वेत्र म क्या गुर र्भुग बेर्सित् रट नेट्र ट्र केर्यो प्रहेग हेव पर ट्र प्रवेश पर है लट्यं रावट क्षेत्र रागियेत्र यह राष्ट्र हो विस्तर स्व ग्रीपर्-नेषद्यर्गालरा ग्रीयरा जावर्ग त्रश्चर मुद्रे द्वारा पर नयग्रीट.स्री क्रियारा.स्या धेवा सेट.क्रियपट्र.स्वायाय र्युवायर्थय विष्ट. येट. युष्टायारा चार्षेत्रा केट. थेया युरी शिव. श्रूट य हो ब्हुंगीय कुट. बुध. त्या परिया पक्षाया ह्यानु "तर्ड्य केन्याय रेका विवाधित पर केमल तपुःस्रीयमः प्रताविषा क्री द्या स्याप्ति विषय स्याप्ति विषय स्याप्ति विषय स्याप्ति विषय स्याप्ति विषय स्याप्ति क्रा देलपहेब बयद्र ग्री पर्च्या सिम ग्री श्री क्र्याय रवर. ह्वार् अक्ट्रानर ग्रिया या प्राची वर्षा ह्री ह्रीन श्रुर यरे ही रत्य भेवा विषय ही क्रिया भेवा ता क्षेत्रा क्यू. विषय "® होया यश्रिट कार्येट्री

र.पूर्व. बैट. तथेव. वु. .. तर्में व वर्षिवावात्र. द्वा तृथे. रा.

रटा लट्य क्रायम्बियाय क्याल्य विटा चर्यायह्रव क्रीपरी में अपने राप्ता किर क्रीत र क्रिक्त क्री हुत्पश्चिकदे वयण्ट तर्देर वे हुत पर द्रा व विवस्त हुत श्रेन् ध्रम् रामक्ष्री स्वाकग्री तस्त्र त्ये विन् नु स्कापक्ष स्वाकर्मक राषुयारालट रेट्याल्ट ही क्रांक ग्री बेट क्रिक्षि राया विस् लम्क्रीम् व तर्नी स्व मिर्ने निम् विष्य विष् रतः नेति क्षेत्रेन वायश्चेत्र ची द्या श्चेतः व वर्षेत्रेन देवा वर्षेत्र वर्षेत्र देवा वर्षेत्र वर्य वर्षेत्र वर्ते वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्ये गुमार्गुमक्ष्य पति श्रेकें स्र रेति वट तर्व पा विमा श्रेन पश्चित वतर वार्रेव तशुरु पॅरियर मुन्यते पक्कुर रेवा विर्वास के विषायन्वीषाययवेषः नर्देषाषाययरा वीन्यः नरः वेन जर्र क्षिय दीय तपु नक्षा मूं विवा अर नपु मुन ग्रीय ग्रीय गर्म प्यमानु एस्ट्रेन् कुलिक्षीयायाध्य क्षेत्र होन्या प्रेन हेंन्य पार्थे नयनि.च-रर्वयरू-र-दर्यावश्चरूपेयाप्रेयन्विन्त्र-त लट्ट्यूप्ट्यूट्यक्य क्ष्य क्ष्य तथा र.पूर्य क्षट टाक्ष्य क्री चूबायय भुष्यरी क्या कुर्या वृष्य करे अक्ट्र सूर्य रे.लट.र. प्र्यूच वीर पश्चिम व भूम वीरिंट अशु प्रवृत्ति मन र्टी अवातर. तर्मित्र अवातासियञ्जापञ्चिता नेत्र्यितर पर्मित्र वार्षेत क्षिरमञ्जात्त्रियनान्त्रे नरान्त्रेन्त्रीत्त्र्व रान्त्राम्याक्रयक्ष राष्ट्रिया क्षेत्र राज्या मात्र र्द्रेय त्य रच्चे विय च्चेर सर्वः रहः क्ष्मां हिन तपु नक्षा भ्राष्ट्री क्षेत्र क्षा क्षेत्र स्वाप क्षेत्र स्वाप क्षेत्र स्वाप क्षेत्र स्वाप क्षेत्र स री शिक्षाया शहर भुग होरा तप भ्रेम क्रिया क्रेम प्राय करा प धिवा

 र्वे विमाधित दे द्वाधित सेंद्र से देश देश हो केंद्र स द स पहुंबा द र्रेट मित्रासुप्ट प्रका ह्वं न्ट क्षेट हूंन्य हे त्र ह्वं रा अट र्राञ्चेत्रप्रमा ईसारा र्रायावद् त्यायादे लहा कविया पेत्रपा मक्रमर्द्र-अर्द्र-वया प्रस्थाय श्रीट-दे-दट-देर-वर्द्य-प्रवेटक चिक्रमापु.र.जूपु.क्रेट.ताक्षेत्र.ब्री.हूच्येषकाक्षेट.क्ष्मट्रेयाच्ये असूत्र.लूच् क्रियम्प्रस्थायहिया हिरास्त्रक्रियायर विद्यो तस्र के "त्र के तर् के कु के तु के दे कि के के ययर.म.जूर्य.क्ट.कारायातार.य.र्वार.ब्र्वाया.ब्र्य्यूर.वार्ट्र.जा श्चेट.री.सैवा त.रेट.क्वा तएट.री.जय ईता प्रकीर. क्रीय रेट.क्र् धेव पायन देवाव र सेवागुर केवावानित ववारत वो श्वेत लियानायुर्क्केर्राट्यानक्षेराने लिया लेखाया दिरायते पुर्वा परि यभेता दे. एकू च. रूप भैपु. युकाया सवा चकर वेया ता जवाया सेवा मुन्दर्यकरत्तर्यस्य द्रियाची "स्विनिकाञ्च र्ययानिया मी बर र ने न्याँन भ्रुषा किर्या पनिव पश्न याँन " ठेवा यिवाशवर्षित्रचिवारव्यातश्चर्यः तक्ष्यं परः रेत्यावेरव रा. कुर. रे. होबा रा. लट. ही. कुर्यांबा होवा रंटी व्या सुवाबा होवा यहार व की मुद्र कें केंद्रे दें का व का द्वीद व प्याद प्रीया का का य यतःसुनायत्तुवःविनाद्दा मन्दर्देवःयन्त्रेःवेदान्तेर् रटःस्वायाद्ययः रादेः चर्मा क्रिक्षा वास्त्र त्यावा वीस्तुनः नुःसु क्ष्मीयश्वर भुगनुर पार श्रेट स्रेत्य नेगर्म्य पर्यः स्रित्यनः गर्यभ्रह्म् नुराधाः विवाधिता

तपु.चूर्य-देगार-टल.झे.कूचोबायस्त्र-ताषुत्र-तालट.अकूचे. चीचो विश्वयात्मायात्मीयर्टी. चुंयाचोबरम्यू. शुन्ची - ट्र्यूयूर्य-कुच्युच्यात्मायात्मीयर्टी, पुक्क् बाट. तू. खुंचा जा चांचुंच. हुंचा चां कि च. चांचता चंच. शुन्च. ता. ट्रटा कु. चांचुंच. हुंचा खुंचा खुंचा कुचा चांच्या चंच. शुन्च. ता. ट्रटा उद्याचिश्वरतः पुर्टा जात्मीय चुंच. शुन्चा चांच्या चांच्या कुचा चांच्या कुट. चांच्या प्रचा त्यंच. जुंचा कुचा चांच्या चांच्या चुंचा चुंचा उद्याचेटा उपक्र्या उद्या कुचा कुचा चांच्या चुंचा चुंचा कुट बार्चटा उपक्र्या उप्लिया कुचा चीचा चांच्या चुंचा कुचा प्रचा चांच्या चांच्या उपलिया कुचा चुंचा चांच्या चांच्या चुंचा कुचा अप्ता चांच्या चांच्या उपलिया चुंचा चुंच

पस्रायक्यादेशः शुःस्य ग्रीट्यवयात्रीटः व पर्द अंभिजमुख., पूर्यामिस्कायाः स्ट्रीट. योथम.ता.त्यम् कुम. यपु. चीट. रेयरे.....मुट क्याय धेव हो मतुर ह सुर्वे मुट रेय विद्या वीय प्रस्थाय श्रीट. लूट्य थी वीय. क्र्य. यर. चेय रा. र्टा चुर रें अक्ते रा मुर्वम् रा देश मानुया मुद्द कर पा दर प्रस्था क्रि.ग्रीट.क्य. टा.तृथी 《 र.पूर्ये अक्ट्रि.चे. ज्ञूबा अर. पर्टुतु. वर-रि.मिविर-स्.कै.सियु-मिक्स्.स्.रर-मिक्मिन्स्.सु-श्रमी क्व्य-त. कॅक्य वृत्तः रेया रे रे गुपा धर वृत्ता वृत्तः रेया कॅक्टि क् क ट्रेचिट:पुत्रापट:ट्रबाग्री:श्वी:पर्टीबागिय:क्र्याबाग्रीबाझ्रेमळूट्र-ट्र विषरात्रिया दे.तबर.जूतु.विषयाद्वादावीट.तबवीट. रें अर्थे के देर विद्या में कि क्रिया में क्रिया के क्रिया के क्रिया के क्रिया के क्रिया के क्रिया के रगाय तर्रे दुर्भे दुर रें अर्वे र मॉर्च मुर क्रेग य ख्वा अध्वर ला क्रुन्महिमास्तरे मुद्दः देश गुद्दः की होत्त र् दे स्वरू (र.स) पर्ट. चूर्ट. ग्री. तक्काय हैर. वोबर. तपु. जू कैय हैर. वेबा झु. क्रेयु. मिन्नगात्त्री प स्त्राक्षर दर रंग पंक्षा वेन प्रम् क्रिया" कुरा मिर्दे प्राप्त के हैं है. योच्या में पद्मी पर मोक्स पर्वीत है. मी मीचेना गो स्था था लुचे. तर. था रुपोन्न पश्चिम रट. था स्थान बिक्रालियातप्र सर्वेश बर्धियाया वृत्या नटा ही बर्धियाया वृत्या वी ह्माय्यामुस्य म्राट प्रमेय विट प्रत्याय स्य विया पदी प्रावेट य

विश्वप्रति,ग्रेट्न, अस्त्र मुक्री कुवि मिर्ट्स स्वा त्याचारायुः सून टे. केट. ता. जवा म. पूर केटा वा जवा चु. वा पूरा कट. वाट. वा तक्का ब सेट. चेट. वा का जवा वा जूट. के ती. जवा आहूट. याट. वा तक्का ब सेट. चेट. वा का जवा वा जूट. के ती. जवा आहूट. टिटी (बट. ग्रीया तक्का तायु. आहूच ग्रीता क्रीय ग्री. कुवि में भी) कु कि भी असूची हेयु. कुम. सूचे ग्रीता क्रीय ग्री. (क्रिय भी) कु कि भी असूची हेयु. कुम. सूचे ग्री हेट. म्यवा तक्का ब सिट विट. देश व्यापूर्य ता चु. हे. त्या आहूचे. ता म. तक्केंट पूर्य तायु. विट. कूच थी

यिष्य त्यारा स्थारा स्थार स्थार स्थार स्थार त्या स्टा प्रविष

तक्षकाश्चरक्षकार्यं में स्टिंग्स्य देवन्यं क्षेत्र निर्मात्र स्टिंग्स्य स्टिंग्स्य देवन्यं क्षेत्र निर्मात्र स्टिंग्स्य देवन्य स्टिंग्स्य स्टि

अक्टब्र-८८-८८८-विद्येति स्रोवा सेवासा

- ①②③न्नायर्क्तात्रम् विभावत्वात् [M] वीरेनायद्ये भुन्नावत्वय2006वेके स्ट्रियर प्रभुन्न म 22 म 30 म 20
- 4567891011 (केंद्रेट्न शुप्त ग्रीपस्यम क्रुट्निय हुन) [M] गहा सुद्ध केंद्रेन मुद्दा स्व 2011 वेदि हुन। स्व 3-4 न 8-9 न 66 न 62 न 68-72 न 108 न 59-60 न 65-67

75/7'An

- ा क्रेंद्रट:र्द्रव:श्रुप:श्रुप:स्टब्यः क्रुट:बिपायह्य [M]ग्रव:स्यु:क्रेंद्रियायद्ये:सुक्राक्ट:व्य2011 र्व्यः क्रुट्यः
- ② वयाषार्द्रमाय व्यवस्था [M] हो रेवाषार्य क्षुत्राकः वय 2006 स्व क्षित्र प्रमुत्
- ्रा १९९८ हुं में में क्रि. हुं के प्राणक्ष ने प्रति के प्रति के
- (5) क्यायमाम् यम्बा पॅन्गुनेट रचयार्ड्य रेमार्यकुष [M] से रेमायर्थे श्रुवाक्त व्याय १००७ र्यः राश्च्य
- ⑥ 丁帆,朱晓进. 中国现当代文学 [M]南京大学出版社,2007。
- ⑦ 郑万鹏. 中国当代文学史 [M]华夏出版社,2007。

[ङ्काञ्चीयायम् तस्य स्वायास्य स्वायास्य स्वाया

A Talk on Tsering Dondrub and His Fiction Creation in Modern Short Stories and Novellas

Lhakpa Chonphel

(The School of Humanities of Tibet University; Lhasa, Tibet, 850000)

Abstract: The article analyzes on Tsering Dondrub´s fiction creation in the field of modern short stories and novellas; meanwhile, it introduces his magnum opus, *Ralo* (Eng.: Translator Ra) and its artistic characteristics.

Keywords: Tsering Dondrub, fiction creation, achievement.